Vijay Kumar Jha
Asst Prof
Deptt in History
V.S.J. College Rajnagar

Degree Part III
Paper - VII

Populist movement in America.

19 वीं सदी के उत्तरार्द्ध मे संयुक्त राज्य अमेरिका में विज्ञान और तकनीक क्षेत्र मे कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त हुई। कृषि के क्षेत्र में भी कई बदलाव आया। किन्तु कृषक इन सुधारो से बहुत अधिक लाभान्वित नहीं हो सके आर्थिक क्षेत्र मे पूंजीवादी व्यवस्था का प्रादुर्भाव हुआ। कृषको के उत्पादन मे तो वृद्धि हुई। किन्तु लागत के अनुरुप नहीं था। बैंकिंग संस्था अगर कृषकों को ऋण देती भी थी तो ब्याज बहुत अधिक था। अतः कृषक यह समझने लगे कि उन्हें सक्रिय राजनीतिक सहायता के बिना उचित समाधान नहीं हो पायेगा। अतः इस दिशा में गंभीर प्रयास प्रारम्भ हो गये अतिरिक्त कृषकों को जीवन सुखमय नहीं था और उसके अन्दर असंतोष कि ज्वाला व्याप्त थी। किसानों को अपना जीवन निर्धनता अभावहीनता और एकांगी रुप मे व्यतीत करना पड़ता था। उन्नत कृषि यंत्र, खाद और अन्य संसाधन तो उपलब्ध थे किन्तु खरीदने के लिये उनके पूंजी नहीं थी।

अतः कृषकों कि समस्या को समझने एवं दूर करने के लिये Oliver Hudson 1867 ई० मे The patrons of Husbandry नामक संस्था का गठन किया जिस संस्था को ग्रेन्ज कहा जाता था। इसके स्थानीय शाखा को ग्रेनेज कहा गया। ये संस्था गैर राजनीतिक कृषक संगठन था इसका मुख्य उद्देश्य कृषकों कि आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करना था। यह संस्था कृषकों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपलब्धियों से लाभ उठाने के लिये प्रेरित करती थी। 1880 ई० मे अमेरिका मे आर्थिक मंदी के समय किसानों को बड़ी आकृष्ट किया। इस संस्था के नेतृत्व मे कई किसानों की हितकारी कार्य हुऐ। रेलगाड़ी के रेल भाड़ो पर

MARCH 2019
Su Mo Tu We Th Fr
31
3 4 5 6 7 8 9
10 11 12 13 14 15 16
17 18 19 20 21 22 23
24 25 26 27 28 29 30
1 2
Sunday 31

Scanned with Cam

नियंत्रण करवाया गया जिसे ग्रेन्जर कानून कहा जाता है। 1873 के एक सभा में कृषकों कि स्वतंत्रता घोषित किया गया इस संस्था ने प्रथम बार सहकारिता आन्दोलन का सूत्रपात किया स्थानीय स्तर पर कृषकों को आवश्यक जीविकोपार्जन साधन उपलब्ध कराया गया। संस्था का कार्य क्षेत्र तो बढ़ा किंतु अनुभव के अभाव में अपनी उद्देश्यों कि पूर्ति नहीं कर सका। अब तक अमेरिका में मुद्रा स्फीती भयंकर रूप ले चुकी थी अतः ग्रीनबैक दल कृषकों का मोर्चा संभाला। 1878 के आम चुनाव में ग्रीनबैक दल ने कांग्रेस में 15 सदस्यों को भेजने में कामयाब हुए। किंतु ग्रीनबैक के ग्रेन्ज संस्था कि तरह उद्देश्यों कि प्राप्ति में असफल रहे।

कृषकों के अखिल संगठन के तौर पर दक्षिणी मैत्री संघ तथा उत्तर पश्चिमी मैत्री संघ नामक दो संस्था सक्रिय हुये जिसके सदस्यों कि संख्या दस लाख थी। इन राजनीतिक संगठनों का मुख्य मांग थी - (i) किसानों को आसान ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराना (ii) रेलमार्गों द्वारा समुचित भाड़ा लेकर अपने माल का आयात निर्यात करना (iii) अनाज भंडारण के लिये अन्न भंडार उपलब्ध कराना (iv) पूंजीवादी व्यवस्था में कृषक एवं मजदूरों को भी विकास का मौका देना (vi) पत्र मुद्रा जारी करना (vii) अमेरिकि लोकतंत्र को जनता का, जनता के लिये तथा जनता द्वारा शासन कि स्थापना करना आदि।

अपने उपर्युक्त मांगों के आधार पर कृषक पोपलिस्ट ने 1890 ई० के चुनाव में भाग लिया। जिसमें उन्हें उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुआ। आन्दोलन कि तीव्रता को देखकर उनके महत्वपूर्ण मांगों पर सरकार विचार करना प्रारम्भ कर दिया। परन्तु पोपलिस्ट आन्दोलन के नेता अपनी कथन को कायम नहीं रख सका। 1892 ई० में जब संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव हुये तो तीसरे दल के रूप में पोपलिस्ट पार्टी ने भी अपनी उम्मीदवारी रखी। इस चुनाव में पोपलिस्टों ने कुछ सफलताएँ अर्जित किया जो स्थानीय स्तर तक ही सीमित रहा। राष्ट्रपति चुनाव में जब Grover Cleve-

Scanned with Cam

Land विजयी हुआ। किन्तु वह जनता एवं कृषकों कि समस्या पर पूरा ध्यान नहीं दिया क्योंकि आर्थिक मंदी का दौर शुरू हो गया था। इस बीच 1892 ई० में मध्यावधि चुनाव हुए जिसमें पोपलिस्टो ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त किया। किन्तु अब तक कृषकों कि समस्या गंभीर हो चुकी थी

1896 ई० में पुनः राष्ट्रपति कि चुनाव हुआ। इस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी ने विलियम मैकिनले को राष्ट्रपति पद के लिये उम्मीदवार बनाया। दूसरी तरफ पोप-लिस्ट पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी से मिलकर उम्मीदवार दिया। अतः पोपलिस्ट अब डेमोक्रेटिक पोपलिस्ट पार्टी कहा जाने लगा। इस चुनाव में अगर स्वतंत्र रुप से पोपलिस्ट अपना उम्मीदवार खड़ा करता तो उसे उसका सीधा लाभ रीपब्लिकन दल को मिलता। तथापि इस चुनाव में रीपब्लिकन पार्टी कि विजय हुई। और यहीं से पोपलिस्ट आन्दोलन क्रमशः पतन कि ओर उन्मुख हुआ। किसानों कि हित के लिये जो आन्दोलन प्रारम्भ हुआ, उसका कोई फलाफल नहीं निकल सका। पोपलिस्टों के यह आन्दोलन जब प्रारम्भ हुआ तो उनकी गति अत्यन्त तीव्र थी और सरकार उसके मांग को अवहेलना नहीं कर सकती थी। उनकी जो प्रमुख मांगे थी के समय रहते स्वीकार कर ली गई। अब किसानों के लिये 20 वीं सदी का सूर्य प्रभात अंधकार युक्त नहीं था अपितु उनके लिये विकास की किरण लेकर आया था

APRIL 2019

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

Scanned with Can